विवाद में अटके कार्य को मिलेगी गति

- उत्तर व पूर्वोत्तर रेलवे में सहमति के बढ़े आसार
- ट्रैक फिनीशिंग और सिग्नलिंग का काम हो सकेगा पूरा

कासगंज बरेली ट्रैक पर कार्य करते रेलकर्मी।

जागरण संवाददाता, कासगंज: कासगंज-बरेली के मध्य चल रहे ब्राडगेज कार्य में अब विवाद खत्म होते दिख रहा है। उत्तर रेलवे और पूर्वोत्तर रेलवे के मध्य काम को लेकर विवाद की स्थिति थी। यहां काम तो लगभग पूरा था लेकिन फिनिशिंग नहीं हो पा रही थी। अब प्वाइंट लगाने की सहमति बन गई है। ऐसे में ट्रैक पर शेष रहे काम को गति दी जा रही है। अब मार्च के प्रथम सप्ताह में केंद्रीय संरक्षा आयुक्त केके वाजपेयी का निरीक्षण काम पूरा होते ही हो सकेगा।

कासगंज-बरेली ब्राडगेज मार्ग पर 275 करोड़ रुपये की योजना से कार्य कराया जा रहा है। रामगंगा से कासगंज तक ट्रैक फाइनल है। बीते दिनों पूर्वोत्तर रेलवे के महाप्रबंधक राजीव मिश्रा रामगंगा से कासगंज के बीच ट्रैक पर निरीक्षण भी कर चुके हैं। लेकिन रामगंगा स्टेशन पर उत्तर रेलवे एवं पूर्वोत्तर रेलवे के अधिकारियों के बीच विवाद उत्पन्न हो गया। ऐसी स्थिति में फिनिशिंग का काम न होने के साथ ही सिग्नलिंग भी नहीं हो सकी।

विभागीय सूत्रों के मुताबिक उच्चाधिकारियों के हस्तक्षेप के बाद अब इन दो मंडलों के अधिकारियों के मध्य सहमति बन गई है। अब रामगंगा स्टेशन पर प्वाइंट लगाए जाएंगे और एक ही ट्रैक से ट्रेनें गुजारी जाएंगी। इधर सोरों रेलवे स्टेशन पर भी धीमी गति से चल रहा है। यहां सुविधाओं को बढ़ावा देने के लिए कोई संतोषजनक कार्य नहीं हुआ है। जिससे के लोगों में आक्रोश बना हुआ है।

अब उम्मीद है कि निरीक्षण से काम तेजी से हो सकेगा। इज्जत नगर म के जनसंपर्क अधिकारी राजेंद्र सिंह बताया कि कासगंज-बरेली मार्ग फिनिशिंग का काम लगभग पूर्णतः की है। रामगंगा स्टेशन पर प्वाइंट लगाए जा

सुपरफास्ट ट्रेनों का किया जाए संचालन

सोरों गंगा भक्त समिति के अध्यक्ष स भारद्वाज, गंगा सभा के अध्यक्ष कै कटारे सहित सोरों के अन्य लोगों ने उठाई है कि सोरों रेलवे स्टेशन पर बे जन सुविधाएं दी जाएं और राजस्थान प्रदेश को जोड़ने वाली सुपरफास्ट ट्रेन संचालन इस रूट पर किया जाए।